Sanskritik aur Samajik Anusandhan
www.shodhjournal.com
ISSN: 2582-5852
Received: 27-08-2021, Accepted: 10-09-2021, Published: 26-09-2021
Volume 2, Issue 2, 2021, Page No. 32-36

हिंदी और इंटरनेट की दुनिया

शर्मिला देवी
शोधार्थी, हिन्दी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भारत

सारांश
आधुनिक युग विज्ञान का युग है। समय के साथ-साथ इंसान ने तरक्की की है। उस तरक्की के साथ अनेक सुविधाएं हासिल की है। विज्ञान ने हमें बहुत कुछ दिया है। इंटरनेट भी उनमें से एक है। जैसा कि वर्तमान में हम देख रहे हैं कि इंटरनेट के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जो इंसान एक बार इंटरनेट का इस्तेमाल करने लग जाता है वह इंटरनेट के बिना नहीं रह सकता। इंटरनेट आज के समय की मांग भी है और जरूरत भी। क्योंकि मनुष्य को सुविधाएं देने में इंटरनेट का महत्वपूर्ण योगदान है। आज दिन में हम कई बार इंटरनेट पर नई -नई जानकारियों को ढूंढते हैं। जिससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होती है। एक समय था जब हमें किसी शब्द का अर्थ जानने के लिए लाइब्रेरी में अनेकों शब्दकोश देखने पड़ते थे। परंतु वर्तमान में इंटरनेट के माध्यम से एक पल में ही हम किसी भी शब्द का अर्थ जान सकते हैं। ना तो हमें कहीं जाने की जरूरत है ना ही समय बर्बाद करने की। जरूरत है तो सिर्फ इंटरनेट की। परंतु इंटरनेट का उपयोग सकारात्मक रूप से किया जाए या नकारात्मक रूप से। वह हम पर निर्भर करता है।

मूल शब्द: नेटवर्क, कंप्यूटर, सकारात्मक, नकारात्मक, घुसपैठ, स्वास्थ्य, संचार भाषा।

प्रस्तावना

आधुनिक युग विज्ञान का युग है। इंटरनेट विज्ञान की देन है। 'इंटरनेट' शब्द को आज सभी लोग जानते हैं। बड़े हो या बच्चे ,सभी इसका प्रयोग करना भली-भांति जानते हैं। अगर सही अर्थों में देखा जाए तो इंटरनेट सभी के जीने की वजह बन चुका है। 100 वर्षों पहले किसी ने भी यह नहीं सोचा होगा कि इंसान खुद ही किसी ऐसी चीज की रचना कर देगा, जिससे दुनिया की तमाम जानकारी एक ही स्थान पर बहुत आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। किसी भी शब्द को या किसी भी जानकारी को इंटरनेट के माध्यम से कुछ ही पल में पा सकते हैं। आज के समय में इंटरनेट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय नेटवर्क बन चुका है। इंटरनेट को आधुनिक और उच्च तकनीकी विज्ञान का अविष्कार माना जाता है।

1969 इसमें टीम व्रनस ली ने इंटरनेट का आविष्कार किया था। दुनिया भर के सभी नेटवर्क इंटरनेट से जुड़े हुए हैं।

"हिंदी भाषा अपने प्रयोग क्षेत्र में अत्यंत समर्थ भाषा है। उसके अनेक पर्यायवाची शब्दों की अर्थ छाया में

सूक्ष्म विभिनता भाषा का परिपक्व ज्ञान रखने वालों को बराबर आभासित करता है।"[1]

हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है देश के अधिकतर लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। इंटरनेट पर जहां अनेक भाषाओं में जानकारी प्राप्त हो सकती है वही हिंदी भाषा का भी इंटरनेट की दुनिया में महत्वपूर्ण स्थान है।

"कंप्यूटर, इंटरनेट में देवनागरी के प्रयोग से नई- नई संभावनाएं स्पष्ट होती जा रही है। कंप्यूटर में नागरिक का प्रवेश इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, हैदराबाद ने सुगम कराया। जापान की एक कंप्यूटर कंपनी ने देवनागरी लिपि में तीव्र मुद्रण प्रणाली विकसित की है।"[2]

हिन्दी भाषा के बढ़ते प्रयोग को देखा जा सकता है। क्योंकि भारत में अधिकतर लोग इंटरनेट पर किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करते हैं। जिससे वह अपनी भाषा में कोई भी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम है।

इंटरनेट आई टी के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला विश्व का सबसे बलशाली और सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसे संक्षिप्त में 'नेट' कहते हैं। क्योंकि इंटरनेट एक दूसरे से जुड़े बहुत सारे कंप्यूटरों का जाल है। जोकि उपग्रह, केवल तंतु प्रणालियों ,एल ए एन और बी ए एन प्रणालियों तथा टेलीफोन के जरिए संपूर्ण विश्व के करोड़ों कंप्यूटर एवं नेटवर्क को आपस में जोड़ता है। दूसरे शब्दों में कहें तो संसाधनों को सांझा करने अथवा सूचनाओं का आदान प्रदान करने के लिए टीसीपी/ आईपी प्रोटोकोल के द्वारा दो या कई कंप्यूटर को एक साथ जोड़ कर अंत संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया को इंटरनेट कहते हैं। तथा इसके बीच की सांझा करने की प्रक्रिया को नेटवर्क कहते हैं। इंटरनेट ने लोगों को अनेक सुविधाएं दी। परंतु लोगों ने अपने स्वार्थनुसार इसका प्रयोग किया है। कई लोग इंटरनेट का प्रयोग सकारात्मक रूप से करते हैं तो कुछ लोग नकारात्मक रूप से।

आज का युग आधुनिक युग है और आधुनिक युग में कोई भी काम इंटरनेट के बिना संभव नहीं है। इंटरनेट का प्रयोग वर्तमान में बच्चों से लेकर बड़े -बुड्ढों तक आवश्यक हो गया है। इसकी वजह से हमारी बहुत सी मुश्किलें आसान हो गई हैं। इसकी वजह से कोई भी काम हमें आसान और सरल लगने लगा है। इंटरनेट ज्ञान का भंडार है, यह एक जादुई चिराग है। जिस पर उंगलियों का प्रयोग करते ही प्रत्येक जानकारी हमारे समक्ष प्रस्तुत हो जाती है। इंटरनेट ने लोगों की जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया है। घर हो या ऑफिस इंटरनेट को कई कारणों से हर जगह इस्तेमाल किया जाता है।

इंटरनेट के उपयोग में संचार, खरीदारी , बुकिंग, शोध और अध्ययन शामिल है। इंटरनेट इन दिनों जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। इसने लोगों को काफी करीब ला दिया है।

चाहे आपके दोस्तों, परिवार के सदस्य या रिश्तेदार या कोई अजनबी, इंटरनेट के माध्यम से आप किसी से भी बातचीत कर सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम किसी सूचना, किसी भी चित्र, वीडियो आदि को दुनिया के किसी भी कोने में भेज सकते हैं। हम ई-मेल कर सकते हैं।

और इन सब प्रयोगों को करते हुए हम इंटरनेट पर हिंदी भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। क्योंकि हिंदी भाषा संचार की भाषा है। और संचार के साधनों में हिंदी भाषा का प्रयोग सरलता से किया जा रहा है।

"विश्व के विभिन्न राष्ट्रों में, हिंदी के पठन-पाठन की व्यवस्था हो चुकी है। अनेक राष्ट्रों में हिंदी भाषा और साहित्य में रुचि रखने वाले विद्वान हिंदी के प्रचार-प्रसार में रुचि ले रहे हैं।"[3]

इंटरनेट पर हम अपनी हिंदी भाषा में कोई भी जानकारी उपलब्ध करवा सकते हैं। हमे इंटरनेट पर हिन्दी मे बहुत सामाग्री मिल जाती है। हम फेसबुक, व्हाट्सएप के माध्यम से अपने सगे संबंधियों दोस्तों व अजनबीयों को भी दोस्त बना कर चैटिंग या वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं। हम अपने विचार और अपनी काबिलियत को इंटरनेट के माध्यम से देश-दुनिया में दिखा सकते हैं।

कोई टिकट बुक करनी हो या कोई बिल (बिजली, पानी) का भरना हो हम इंटरनेट के माध्यम से बीना किसी लाइन में लगे घर बैठे ही भर सकते हैं। इंटरनेट ज्यादा महंगा भी नहीं है इसलिए बच्चे से लेकर बड़े बूढ़ों तक के मनोरंजन के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। इंटरनेट के माध्यम से हम हमारे जरूरी दस्तावेज पलक झपकते ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेज सकते हैं।

करोना काल में इंटरनेट एक वरदान के रूप में हमारे साथ था।

क्योंकि लोग अपने घरों में बंद थे। वह कहीं बाहर नहीं जा सकते थे। ऐसे मुश्किल समय में लोगों ने इंटरनेट पर फिल्म, गेम्स गाने सुनकर ही अपना समय व्यतीत किया। जो बच्चे घर पर बैठे थे तथा रेगुलर पढ़ाई नहीं कर पा रहे थे, ऐसे में ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से घर पर ही पढ़ाई कर सकते थे। इंटरनेट के द्वारा ऑनलाइन कोर्स भी घर बैठे सीखे जा सकते हैं। जैसे- कुकिंग संस्थाएं, फैशन डिजाइनर इत्यादि हम यूट्यूब के द्वारा घर बैठे ही सीख सकते हैं।

> "21वीं सदी का माध्यम इंटरनेट जनसंपर्क को सुविधाजनक बना रहा है। इंटरनेट के माध्यम से व्यक्ति, उद्योग, व्यवसायिक संस्थान अपने संदेश चुनें वेबसाइट पर भेज सकते हैं। वे अपने वातावरण में सीधा प्रवेश करके इंटरनेट के माध्यम से सूचनाओं का संग्रह एवं विश्लेषण कर सकते हैं।"[4]

इंटरनेट के जरिए हम आपस में कितनी भी दूर क्यों ना हो, बातचीत कर सकते हैं, एक दूसरे को देख सकते हैं।कोई भी दस्तावेज़ इधर से उधर भेज सकते है। इंटरनेट ने हमारे जीवन को बहुत आसान बना दिया है।

इंटरनेट केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं साहित्य से जुड़े लोगों के लिए भी वरदान है। हिंदी साहित्य की अनेक पुस्तकें हैं। जो हमें इंटरनेट पर उपलब्ध होती हैं। समकालीन लेखक ब्लॉग बनाते हैं। जिस पर हम इंटरनेट के माध्यम से लेखकों द्वारा व्यक्त विचारों को हिंदी भाषा में पढ़ सकते हैं। अनेक लेखकों की पुस्तकों को हम ऑनलाइन इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। एक ही पल में बिना वक्त गवाए हम देश की किसी भी लाइब्रेरी की पुस्तकों की सूची इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। अनुवाद के लिए, हिंदी टाइपिंग के लिए, हिंदी शब्दकोश के लिए, हिंदी पुस्तकों को पढ़ने के लिए आदि किसी भी जरूरत के लिए हम इंटरनेट का प्रयोग कर सकते हैं। इंटरनेट का प्रयोग हम व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, परिवहन,, स्कूलों कॉलेजों, पारंपरिक कार्यक्रम, और निजी जीवन के हर क्षेत्र में कर रहे हैं। इंटरनेट के बिना अपने जीवन की हम कल्पना भी नहीं कर सकते। कहते हैं कि मानव की मूलभूत आवश्यकता रोटी ,कपड़ा ,मकान है । परंतु वर्तमान में व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान के बिना अपना गुजारा कर सकता है परंतु इंटरनेट के बिना नहीं रह सकता।

इंटरनेट के जहां अनेकों फायदे हैं। वही नुकसान भी हैं। इंटरनेट का प्रयोग जो लोग अपने ऑफिस के लिए तथा अन्य जानकारी के लिए करते हैं। उनके लिए तो यह लाभदायक है। परंतु जो लोग बिना मतलब इसे अपनी आदत बना लेते हैं।

और दिन -रात अपने फोन में लगे रहते हैं या गेम खेलते रहते हैं। उनके लिए यह समय की बर्बादी के अलावा और कुछ भी नहीं। इंटरनेट प्रदान करने वाली

कंपनियां इंटरनेट का भारी चार्ज लेती हैं। अगर आपको आवश्यकता नहीं है और आप प्री-पेड इंटरनेट सेवा ले रहे हैं। तो वह केवल पैसे की बर्बादी है। क्योंकि इंटरनेट सेवाओं के लिए अनेक कंपनियों ने अलग-अलग रेट तय कर रखे हैं। जो कि बच्चे, युवा, बड़े-बूढ़े बिना किसी कारण इंटरनेट का इस्तेमाल करके पैसे की बर्बादी और समय की बर्बादी के अतिरिक्त कुछ नहीं करते। इंटरनेट के माध्यम से लोग अपने किसी दोस्त या दुश्मन(जिसको वह बदनाम करना चाहते हैं) उसके विषय में ऑनलाइन गलत प्रचार करके बदनामी करते हैं। साथ ही इंटरनेट पर कई ऐसे वेबसाइट हैं जिन पर अश्लील चीजें हैं। जिनके कारण कम उम्र के बच्चों को गलत शिक्षा मिल रही है। और वे अपनी संस्कृति से दूर होकर पथ भ्रष्ट होते जा रहे हैं। कुछ लोग इंटरनेट की मदद से आपकी जरूरी जानकारियों को हैक भी कर सकते हैं। इंटरनेट से लोगों की निजी जानकारियां और ईमेल को चुराकर कई धोखेबाज कंपनियां झूठे ई-मेल भेजती हैं। जिनसे वे लोगों को ठगते है। इंटरनेट से स्वास्थ्य पर कई प्रकार के बुरे प्रभाव भी पढ़ते हैं। शरीर के लिए किसी नशे की लत हो या कोई अन्य, वह ठीक नहीं होती। कई ऐसे लोग होते हैं जो इंटरनेट के बिना ना तो खाते- पीते हैं और ना ही सोते हैं। इंटरनेट का हमारे स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। पूरा दिन मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन के सामने देखने से आंखों में कई रोग हो जाते हैं। बच्चों में फोन ना मिलने पर चिड़चिड़ापन आ जाता है। हाल ही में बैन हुई गेम 'पब्जी' के कारण बच्चे दिन -रात इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे थे। इंटरनेट की लत इंसान को बर्बाद कर देती है।

हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। इंटरनेट के कुछ नुकसान भी हैं कुछ लोग इसका इस्तेमाल बुरे उद्देश्य से करते हैं जैसे हैंकिंग, शिपिंग, फिशिंग, घुसपैठ, साइबर क्राइम। यह सब सिर्फ इंटरनेट के कारण हो रहे हैं। यहां तक कि कॉलेज के छात्र भी इसे बूरे उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करते हैं। उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है। और कुछ गड़बड़ियों में फस जाते हैं। इंटरनेट मे सुरक्षा मुख्य पहलू है। यदि लोग लाखों का लेन-देन कर रहे हैं और यदि कोई उनका खाता हैक कर लेता है ।

तो लोगों को इंटरनेट के कारण भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है। इसलिए सुरक्षा और उपयोगिता इंटरनेट की प्रमुख चिंता है।

निष्कर्ष

इस प्रकार अंत में हम कह सकते हैं कि अगर इंटरनेट का हम सकारात्मक उपयोग करें । तो हम अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। और इंटरनेट के माध्यम से पैसा भी कमा सकते हैं। इंटरनेट उन लोगों के लिए वरदान है जो इसका प्रयोग सकारात्मक उद्देश्य के लिए करते हैं।

> "जीवन के सभी क्षेत्रों, व्यवहारों, आपसी भूमिकाओं और अवस्थाओं में हम जो आचार विचार, संवाद इत्यादि करते हैं वह सब भाषा पर आश्रित होते हैं। इस नाते यह हमारे देश, समाज, परिवार, धरम, कला और साहित्य जैसे तमाम संदर्भों की रीढ़ है।"[5]

भाषा चाहे हिंदी हो या अंग्रेजी या कोई अन्य । इंटरनेट पर अधिकतर भाषाएं उपलब्ध होती हैं। जिनमें हम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हिंदी भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता जा रहा है ,और संचार भाषा के रूप में हिंदी इंटरनेट की दुनिया में फैलती जा रही है। जरूरत है तो सिर्फ इंटरनेट को सकारात्मक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करने की।

संदर्भ सूची

1. प्रसाद, गोपाल, राष्ट्रभाषा हिंदी; इतिहास से व्यवहार तक, आधार प्रकाशन; पंचकूला, 2012, पृष्ठ संख्या 19

2. भाटिया, कैलाश चंद्र, हिंदी भाषा विकास और स्वरूप, ग्रंथ अकादमी; दिल्ली, 2001, पृष्ठ संख्या 207
3. मोहम्मद, मलिक, हिंदी विकास के विविध आयाम, प्रवीण प्रकाशन: दिल्ल:,1999, पृष्ठ संख्या 192
4. दुबे, एस॰ के॰ ,पत्रकारिता के नए आयाम, लोक भारती प्रकाशन: पटना, 2006 , पृष्ठ संख्या 169
5. पांडे, श्रुति कांत, हिंदी शिक्षण; अभिनव आयाम , टैक्सेस पब्लिकेशन; दिल्ली, 2010, पृष्ठ संख्या 53